Integration of cross-cutting issues relevant to Gender, Environment and sustainability, Human values, Professional Ethics into curriculum.

सेमेस्टर : I

इस सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। इन पर्चों में हिंदी गद्य के अलग-अलग रूपों का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। इस बात का ख़याल रखा गया है कि शिक्षक और छात्रों की सहभागिता की गुंजाइश कक्षा में बनी रहे और प्रत्येक शिक्षक को इसका अवसर हो कि प्रस्तावित ढांचे में वह प्रयोग कर सके। इस बात की अपेक्षा भी है कि चारों पर्चों में अन्तस्संबंध को लेकर शिक्षक सचेत रहें और शिक्षण-पद्धति में सहकारी रवैये को अपनाने की कोशिश करें। इस पर जोर है कि छात्र रचना और पाठ को केंद्र में रखें, न कि मात्र सैद्धांतिक चर्चा में उलझे रहें।

प्रश्नपत्र : 101 : उपन्यास

- प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यासकार (उदाहरण के लिए श्रीनिवासदास, ब्रजनंदन सहाय ब्रजवल्लभ, ठाकुर जगमोहन सिंह)
- प्रेमचंद
- जैनेन्द्र, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, उपेन्द्रनाथ अश्क
- मनोहरश्याम जोशी, उषा प्रियंवदा, कृष्णा सोबती, असगर वजाहत, विनोदकुमार शुक्ल

विचारणीय बिन्दु

- प्रस्तावित उपन्यासकारों की कृतियों में से प्रत्येक सत्र में नया चुनाव करने की स्वतंत्रता संबंधित शिक्षक को है। सत्रारंभ में चुने हुए उपन्यासों की घोषणा कर दी जाएगी। संबंधित पाठ्य-सामग्री भी शिक्षक छात्रों को उपलब्ध कराए, इसकी व्यवस्था की जाएगी। उपन्यास के विकास-क्रम, उपन्यास को लेकर हिंदी में विकसित आलोचना-दृष्टियाँ, भारत और भारत के बाहर उपन्यास की आलोचना-दृष्टियों का तुलनात्मक अध्ययन भी साथ ही अपेक्षित है।
- इस प्रश्नपत्र में आठ से दस उपन्यास चुने जा सकते हैं और हर बार चयन नया हो सकता है।
- भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास (लोककथा, आख्यान, किस्सागोई का संदर्भ)
- भारतीय उपन्यास के और हिंदी उपन्यास

- विश्व उपन्यास लेखन और हिंदी उपन्यास
- भारतीय उपन्यास-चिंतन
- हिंदी में उपन्यास चिंतन
- उपन्यास और राष्ट्र
- उपन्यास और मध्यवर्ग
- व्यक्ति ओर उपन्यास
- गाँव, शहर और उपन्यास

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
2. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान
3. उपन्यास का सिद्धांत : जॉर्ज लुकाच
4. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश
5. हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
6. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेंद्र यादव
7. उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी
8. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव
9. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
10. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
11. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : इंद्रनाथ मदान
12. प्रेमचंद : एक साहित्य विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी
13. प्रेमचंद और गोर्की : शचिरानी गुर्टू
14. जैनेंद्र के उपन्यास : मर्म की तलाश : चंद्रकांत बांदिवडेकर
15. जैनेंद्र के विचार : सं. प्रभाकर माचवे
16. जैनेंद्र की आवाज़ : अशोक वाजपेयी
17. मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
18. आँचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु : सुभाष कुमार
19. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
20. साहित्य का समाजशास्त्र : नगेंद्र
21. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ : शशिभूषण सिंघल
22. हिंदी उपन्यास के पदचिह्न : सं. मनमोहन सहगल
23. भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम और हिंदी उपन्यास : सीताराम झा 'श्याम'

24. हिंदी उपन्यास (1950 के बाद) : सं. नित्यानंद तिवारी
25. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन
26. परंपरा और आधुनिकीकरण : कमलेश अवस्थी

.....

प्रश्नपत्र : 102 : हिंदी कहानी

- बंग महिला, चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी',
- प्रेमचंद, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय,
- फणीश्वरनाथ रेणु, उषा प्रियवंदा, मन्नू भंडारी, अमरकांत, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, मोहन राकेश, कमलेश्वर, हरिशंकर परसाई, शेखर जोशी, राजेन्द्र यादव
- काशीनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह, उदयप्रकाश, ओमप्रकाश वाल्मीकि

विचारणीय बिंदु

- शिक्षण के लिए विचारणीय बिंदु उदाहरण के लिए इस प्रकार हो सकते हैं : शिक्षक सप्रयास से भी इनमें परिवर्तन कर सकते हैं।
- प्रस्तावित कहानीकारों की रचनाओं का चयन प्रत्येक सत्रारंभ में संबंधित शिक्षक के द्वारा किया जाएगा और छात्रों को ये रचनाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। साथ ही सहायक पाठ्य सामग्री भी शिक्षक के द्वारा सुझाई जाएगी। उपन्यासवाले प्रश्नपत्र की तरह ही इसमें भी हिंदी कहानी को भारतीय और भारत के बाहर की भाषाओं में कहानी-लेखन को भारतीय और भारत के बाहर की भाषाओं में कहानी-लेखन के परिप्रेक्ष्य में रखकर तुलनात्मक दृष्टि से पढ़ने की अपेक्षा है। कहानी की समीक्षा, कहानी के सिद्धांत और शास्त्र पर रचनाओं के संदर्भ में विचार किया जाएगा। इस प्रश्नपत्र में पंद्रह कहानियाँ चुनी जा सकती हैं और हर बार अलग-अलग कहानियों का चुनाव किया जा सकता है।
- कथा, किस्सा और कहानी
- लोककथा और कहानी
- 'शॉर्ट स्टोरी' और कहानी

- उर्दू कहानी और हिंदी कहानी
- कहानी और स्त्री स्वर
- कहानी और दलित स्वर
- कहानी का विश्व परिदृश्य और हिंदी कहानी
- कहानी और राजनीति
- गाँव, शहर और कहानी
- प्रेमचंद पूर्व
- प्रेमचंद और उसके समकालीन
- प्रेमचंदोत्तर कथालेखन
- समकालीन कहानी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी कहानी : एक अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र
2. कहानी : प्रवृत्ति और विश्लेषण : सुरेंद्र उपाध्याय
3. एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव
4. नई कहानी : पुनर्विचार : मधुरेश
5. नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी
6. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
7. नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
8. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
9. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
10. कला का जोख़िम : निर्मल वर्मा
11. प्रेमचंद : चिंतन और कला : सं. इंद्रनाथ मदान
12. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
13. प्रेमचंद का कथा-संसार : नरेंद्र मोहन
14. समकालीन कहानी की पहचान : नरेंद्र मोहन

प्रश्नपत्र : 103 : अन्य गद्य-रूप

- **निबंध** : भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामावतार शर्मा, बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुंद गुप्त, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, शिवपूजन सहाय, निराला, प्रसाद, हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, पी. सी. जोशी, कुबेरनाथ राय

- **आत्मकथा एवं जीवनी** : पांडेय बेचनशर्मा उग्र, हरिवंशराय बच्चन, प्रभा खेतान, ओमप्रकाश वाल्मीकि, हंस का आत्मकथांक, राजेन्द्र प्रसाद, मोहनदास नैमिशराय, चंद्रकिरण सौनरिक्सा
  कोई दो जीवनियाँ (उदाहरण के लिए 'निराला की साहित्य साधना', रामविलास शर्मा, प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी, आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, कलम का सिपाही, अमृतराय)

- **संस्मरण एवं रिपोर्ताज** : महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, काशीनाथ सिंह, सआदत हसन मंटो, रवीन्द्र कालिया, जानकीवल्लभ शास्त्री, फणीश्वरनाथ रेणु, अज्ञेय, धर्मवीर भारती

- **यात्रा वृत्तांत, पत्र साहित्य,** राहुल सांकृत्यायन, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कृष्णनाथ, मोहन राकेश, प्रेमचंद, मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, नागार्जुन, रामविलास शर्मा, केदारनाथ अग्रवाल, जानकीवल्लभ शास्त्री
  पत्रकारिता के गद्य के नमूने : दैनिक पत्र-पत्रिकाओं में शीर्ष संपादकों, लेखकों के प्रकाशित लेख इत्यादि।

विचारणीय बिंदु

- निबंध और राजनीति
- राष्ट्रवाद, समाज सुधार और निबंध
- आधुनिकता और आत्मकथा
- गद्य-रूपों का विकास

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह

5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. दलित-विमर्श की भूमिका : कंवल भारती
7. नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे : सं. साधना आर्य, जिनी लोकनीता, निवेदिता मेनन
8. स्त्री उपेक्षिता (The Second Sex) : सिमोन दि बाउवार (अनु. प्रभा खेतान)
9. प्रेमचंद की विरासत तथा अन्य निबंध : राजेंद्र यादव
10. आधुनिकता के आइने में दलित : सं. अभय कुमार दूबे
11. स्त्री पराधीनता : जॉन. स्टुअर्ट मिल (अनु. प्रगति सक्सेना)
12. परिवार, निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रे. ऐंगल्स
13. कवि मन : अज्ञेय
14. मंटो : एक बदनाम लेखक : विनोद भट्ट
15. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य
16. निर्मल वर्मा : सं. अशोक वाजपेयी
17. निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद : सुधीश पचौरी
18. मंटो : मेरा दुश्मन : उपेंद्रनाथ अश्क
19. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
20. काव्यकला और अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद
21. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
22. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

.....

प्रश्नपत्र : 104 : नाटक

- भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जयशंकर प्रसाद, रामवृक्ष बेनीपुरी, उदयशंकर भट्ट, हरिकृष्ण प्रेमी
- पृथ्वीराज कपूर, राधेश्याम कथावाचक, आगाहश्र कश्मीरी, बेताब, भिखारी ठाकुर
- जगदीशचंद्र माथुर, लक्ष्मीनारायण लाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, मोहन राकेश, धर्मवीर भारती, शंकर शेष, सुरेन्द्र वर्मा, भीष्म साहनी, नंदकिशोर आचार्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, त्रिपुरारी शर्मा, मीरा कांत

विचारणीय बिंदु

- साहित्यिक रूप के अलावा प्रदर्शनकारी कला का अभिन्न अंग होने के कारण नाटक की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धति विकसित की जाएगी। प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी नाटक का गहराई से परिचय देना है। बांगला नाट्य-लेखन और विदेशी भाषाओं के उन नाटकों से परिचय की अपेक्षा भी होगी जिनका प्रभाव हिंदी के नाट्यलेखन पर पड़ा है। भारतीय तथा अन्य भाषाओं के अनूदित नाटकों में से, उदाहरणतः इप्सन, शेक्सपीयर आदि के नाटक और 'खामोश! अदालत जारी है', 'तुगलक', 'ययाति' आदि का चुनाव शिक्षक कर सकते हैं जिससे छात्र को एक बड़ा परिप्रेक्ष्य मिल सके। नाटक के सिद्धांत और शास्त्र के विकास की भी तुलनात्मक दृष्टि से चर्चा अपेक्षित होगी।
- भारतेंदु और उसके समकालीन
- प्रसाद और उनके समकालीन
- प्रसादोत्तर नाट्यालोचन
- समकालीन नाट्यलोचन
- रंगमंच और नाटक का संबंध
- साहित्यिक विधा के रूप में नाटक
- नाटक और राजनीति
- उपनिवेशवाद और हिंदी नाटक
- राष्ट्र और हिंदी नाटक
- यूरोपीय नाटक से संबंध
- बंगला, मराठी नाट्यलेखन और हिंदी लेखन
- संस्कृत नाटक और हिंदी नाट्य लेखन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा

6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ. नगेंद्र
15. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी

सेमेस्टर : II

प्रश्नपत्र : 201 : आलोचना/ सिद्धांत और शास्त्र

- रस, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति
- काव्यास्वाद और साधारणीकरण; काव्य : हेतु, लक्षण, प्रयोजन; भरत का नाट्यशास्त्र
- प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, ड्राइडेन, वर्डस्वर्थ,
- टी. एस. इलियट, आई॰ए॰ रिचर्ड्स, जार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी, एफ.आर. लीविस, रेमंड विलियम्स, मिखाइल बाख्तिन, शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद

विचारणीय बिंदु

- इस प्रश्नपत्र में भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांतों और शास्त्र का अध्ययन किया जाना है। शिक्षक से यह अपेक्षा है कि वह सत्रारंभ में ऊपर उल्लिखित बिंदुओं से संबंधित प्रामाणिक पाठ और सहायक पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराए। जोर सिद्धांतकारों के अपने पाठों पर है। छात्र उन्हें अवश्य पढ़ें। पाश्चात्य काव्यशास्त्र हिंदी में किस प्रकार प्रासंगिक विचार रहा है, इसकी पड़ताल की जाएगी। उसी प्रकार संस्कृत काव्यशास्त्र की भी समीक्षा की अपेक्षा है।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी
6. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
8. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ
9. आस्था और सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
10. नई कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
11. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध

12. सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
13. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
14. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
15. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
16. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह
17. छायावाद : नामवर सिंह
18. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
19. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
20. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
21. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
23. आलोचना की समकालीनता : सं. परमानंद श्रीवास्तव
24. हिंदी आलोचना के बीजशब्द : बच्चन सिंह
25. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
26. विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
27. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
28. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले
29. कविता से साक्षात्कार : मलयज
30. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
31. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
32. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र
33. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
34. Hindi Nationalism : Alok Rai
35. One Language Two Scripts : Cristopher King
36. Nation and its Fragments : Parth Chatterjee

प्रश्नपत्र : 202 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

- साहित्य इतिहास और सामाजिक इतिहास का संबंध, स्मृति और इतिहास, भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि, साहित्येतिहास की सामग्री, चयन का प्रश्न, विचारधारा, तकनीक और साहित्यिक रूप
- आरंभिक इतिहासलेखन और पद्धतियाँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास,
- शुक्लोत्तर इतिहासलेखन (हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)

- शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि, हिंदी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिंदी, मध्यकाल में हिंदी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
8. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
9. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
10. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
11. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
12. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
13. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
14. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खण्ड 1 से 17) : नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेंद्र
18. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास-परंपरा : रामविलास शर्मा
19. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
20. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
21. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
22. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी
23. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
24. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
25. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
26. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini

प्रश्नपत्र : 203 : हिंदी की आलोचना दृष्टियाँ

- शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेंदु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा, शांतिप्रिय द्विवेदी
- रामचंद्र शुक्ल
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
  विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  नंददुलारे वाजपेयी
  नलिन विलोचन शर्मा
  नगेन्द्र
- रामविलास शर्मा
  नामवर सिंह

  रचनाकार आलोचक : प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
3. आस्था और सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
5. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
6. सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
7. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
8. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
9. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
10. छायावाद : नामवर सिंह
11. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह
12. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
13. कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
14. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
15. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह

16. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
17. विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
18. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
19. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले
20. कविता से साक्षात्कार : मलयज
21. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
22. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
23. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र
24. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
25. Nation and its Fragments : Parth Chatterjee
26. Opressive Present : Sudheer Chandra
27. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
28. One Language Two Nations – Christopher King.

.....

प्रश्नपत्र : 204* : भाषा परिचय

- भाषा की प्रकृति और संरचना : भाषा और संप्रेषण; मानवेतर संप्रेषण और मानव-संप्रेषण भाषा-व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (परोल); भाषा के घटक : ध्वनि, शब्द (रूप), वाक्य, प्रोक्ति (संवाद), बहुभाषिकता; सार्वभौमिक व्याकरण

- भाषा और समाज : भाषा और समाज का अंतस्संबंध, भाषाई विविधता और सामाजिक संदर्भ, भाषा और जेंडर, भाषा के प्रकार्य, भाषा-विकल्पन, भाषा और जनसंचार माध्यम, सामाजिक संघर्ष और भाषा

- (क) भाषा और मस्तिष्क :
  भाषा और संज्ञान
  भाषा-अर्जन
  भाषा अधिगम
  भाषा-विकास : दैहिक आधार

  (ख) भाषा और साहित्य
  भाषा और व्यक्ति
  भाषा की सर्जनात्मकता
  भाषा-संरचना के विभिन्न स्तरण

- समाज-भाषाई इकाई के रूप में भारत
  भाषा और सामाजिक अस्मिता, भारतीय बहुभाषिकता, भारत की भाषाएँ, भारत के भाषा-परिवार, भाषा-नियोजन, द्विभाषिक स्थिति (कोड-मिश्रण और कोड-परिवर्तन)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
5. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
10. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
11. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
12. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
14. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा और बोली : एक संवाद : आर.के. अग्निहोत्री
16. भाषा बहुभाषिकता और समाज : आर.के. अग्निहोत्री
16. One Language Two Scripts : Cristopher King
17. Hindi Nationalism : Alok Rai
18. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
19. Colloquial Hindi : The Complete Course for Beginners : Tej K. Bhatia
20. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
21. Modern Hindi Grammar : Omkar N. Koul
22. Outline of Hindi Grammar : R.S. McGregor
23. Semantics : F.R. Palmer
24. Sociolinguistic Theory : J.K. Chambers
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
26. Applied Linguistic : R.N. Srivastava
27. Linguistics : An introduction to Language and Communication : A. Akmajian,R.A. Demers, A.K. Farmer, R.M. Harnish

सेमेस्टर : III

प्रश्नपत्र : 301 : कविता

पूर्वाधुनिक आख्यानमूलक काव्य

- बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो, संदेशरासक
- पदमावत
- रामचरितमानस
- रामचंद्रिका, गंगावतरण

विचारणीय बिंदु

- आख्यान और कविता
- कविता में प्रबंधात्मकता के रूप
- प्रबंधात्मकता और समाज
- आख्यानमूलक काव्य में विविधता
- युद्ध और काव्य
- पुराण, मिथक, इतिहास और आख्यानमूलक काव्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- हिंदी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
- आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका -- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
- राजस्थानी भाषा और साहित्य -- मोतीलाल मेनारिया
- पदमावत : माताप्रसाद गुप्त
- तुलसी काव्य मीमांसा -- डॉ. उदयभानु सिंह

प्रश्नपत्र : 302 : आधुनिक आख्यानमूलक काव्य

- प्रियप्रवास, साकेत
- उर्वशी
- कामायनी
- राम की शक्ति पूजा, अंधेरे में, आत्मजयी

विचारणीय बिंदु

- हिंदी कविता में आख्यानमूलक या प्रबंधात्मक काव्यरचना की परंपरा से गहन परिचय इन पर्चों का लक्ष्य है। कविता में प्रबंधात्मकता के उदाहरण अन्य भाषाओं से लिये जाने अपेक्षित हैं। परंपरानुसार काव्यखंडों में विभाजित न करके काव्यरूप की परंपरा में विविधता की पहचान और इसमें आने वाले परिवर्तन की विशिष्टता की खोज करने के उद्देश्य से रचनाओं का चयन किया गया है। इनमें से चुनाव करने की आजादी शिक्षक को रहेगी।
- खड़ी बोली की कविता में आख्यानपरकता
- आधुनिकता और आख्यान काव्य
- व्यक्ति और प्रबंधकाव्य
- राजनीति और काव्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अतीत का हंस – प्रभाकर श्रोत्रिय
- साकेत : एक अध्ययन -- डॉ. नगेन्द्र
- उर्वशी : कल्पना पत्रिका की बहस
- कामायनी : एक पुनर्विचार -- मुक्तिबोध
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ -- डॉ. नगेन्द्र
- छायावाद -- डॉ. नामवर सिंह

प्रश्नपत्र : 303 : प्रगीत और मुक्तक

- प्रगीत और मुक्तक काव्य : विद्यापति, कबीर, सूरदास, मीराबाई,
- घनानंद, नंददास, दादू, रहीम, ग्वाल, वृंद, बिहारी, जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
- भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, गिरिजाकुमार माथुर, जानकीवल्लभ शास्त्री,
- वीरेन्द्रकुमार मिश्र, नरेश मेहता, नीरज, रमेश रंजक, दुष्यंत कुमार, मीर, गालिब, नजीर अकबराबादी

विचारणीय बिंदु

- प्रबंधात्मकता की तरह प्रगीतात्मकता भी हर काल में कविता का स्वभाव रही है। कविता के इस रूप की विविधता को इतिहासक्रम में समझने का प्रयास और अलग-अलग परिस्थितियों में प्रगीतात्मकता की प्रकृति में मिलनेवाली विशिष्टता का अध्ययन यहां किया जाएगा। शृंगार, भक्ति, रीति, राष्ट्रप्रेम, समाज का चित्रण जैसी पारंपरिक सरणियों से निकलकर कविता के अपने रूप की विकासयात्रा की समझ पैदा करना इस प्रश्नपत्र का मकसद है। अन्य पर्चों की तरह रचनाओं के चुनाव में और पाठ्यसामग्री के निर्धारण में शिक्षक को स्वतंत्रता है। इसका ध्यान रखा जाएगा कि चयन में विविधता हो और वह प्रत्येक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करे।
- आख्यानपरक काव्य और प्रगीत काव्य
- प्रगीतपरक और छंदात्मकता
- प्रगीत और समाज
- प्रगीत और व्यक्ति
- प्रगीत और प्रकृति

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- विद्यापति पदावली -- संपा. शशिनाथ झा, दिनेश्वरलाल आनंद
- कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- पद्मावत -- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- भ्रमरगीत -- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- मीराबाई -- परशुराम चतुर्वेदी

- मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियाँ -- प्रो. सावित्री सिन्हा
- घनानंद -- संपा. ब्रजलाल
- सनेह को मारग -- हब्ले बंघा
- रहीम ग्रंथावली
- हिंदी सूफ़ी काव्य की भूमिका -- रा.पू. तिवारी
- भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा -- परशुराम चतुर्वेदी

.....

प्रश्नपत्र : 304* : छंदमुक्त काव्य

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मुक्तिबोध
- केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, त्रिलोचन, शमशेर बहादुर सिंह
- रघुवीर सहाय, कुँवरनारायण, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, धूमिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, श्रीकांत वर्मा
- विनोदकुमार शुक्ल, आलोक धन्वा, विष्णु खरे, ज्ञानेन्द्रपति, अरुण कमल, राजेश जोशी, अनामिका, गगन गिल, जोश मलीहाबादी, फैज़ अहमद फैज़

विचारणीय बिंदु

- छंदमुक्त कविता बीसवीं सदी की विशेषता है। अन्य काव्य-रूपों से यह इस तरह विशिष्ट है कि यह प्राय: खड़ी बोली में ही है। इसलिए इसके पहले जहाँ अपभ्रंश, अवधी, ब्रज आदि की कविताएँ भी हैं, इस प्रश्नपत्र में वे नहीं हैं। कविताओं के चयन में विविधता को लेकर ध्यान रखा जाएगा। यह दायित्व संबंधित शिक्षक का होगा कि वह सत्रारंभ में चुनी हुई रचनाएँ और सहायक पाठ्यसामग्री छात्रों को उपलब्ध कराएँ।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- निराला की साहित्य साधना -- डॉ. रामविलास शर्मा
- अज्ञेय की काव्य तितीर्षा -- डॉ. नंदकिशोर आचार्य
- मुक्तिबोध रचनावली -- संपा. नेमिचंद जैन
- रघुवीरसहाय की कविता -- सुरेश शर्मा
- कुँवरनारायण : पूर्वग्रह के अंक

.....

सेमेस्टर : IV

(A) विकल्प : रंगमंच

यह विकल्प नाटक के साहित्यिक रूप के अध्ययन से आगे उसके प्रदर्शनकारी रूप के विशेष अध्ययन में दिलचस्पी रखनेवाले छात्रों के लिए है। चूँकि हिंदी रंगमंच में हिंदी के अलावा संस्कृत, मराठी, कन्नड़, मणिपुरी और यूरोपीय, अफ्रीकी तथा अन्य भाषाओं के नाटकों के मंचन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह प्रयास किया जाएगा कि इस विकल्प के अंतर्गत छात्र हिंदी रंगमंच की इस विशिष्टता का अध्ययन करें। हिंदी रंगमंच और हिंदी नाटक समानार्थी नहीं हैं, हिंदी रंगमंच का विस्तार कहीं अधिक है। इसी कारण वह सैद्धांतिक स्तर पर एक ओर जहाँ भरत के नाट्यशास्त्र से प्रभावित है तो दूसरी ओर यूरोपीय नाट्य सिद्धांतों से भी। शिक्षक इसका प्रयास करेंगे कि नाटकों के प्रदर्शन को भी कक्षा के साथ जोड़े।

प्रश्नपत्र : 4011 : सिद्धांत और इतिहास

- संस्कृत, और पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप
- भरत, स्तानस्लावस्की, बर्तोल्त ब्रेख्त के अभिनय-सिद्धांत
- भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश का रंगमंच संबंधी चिंतन
- हिंदी रंगमंच का इतिहास (अव्यावसायिक, व्यावसायिक, पेशेवर, शौकिया, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थिएटर्स, इप्टा, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, रंग-संस्थाएँ)
- प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप (रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. नाट्यशास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी
2. नाट्यशास्त्र : रेवा प्रसाद द्विवेदी
3. रंगमंच : बलवंत गार्गी
4. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
5. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
6. रंगमंच : शैल्डान चेनी
7. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
8. पारसी हिंदी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
9. हिंदी रंगमंच का इतिहास : चंद्रलाल दूबे

10. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच : जयदेव तनेजा
12. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल
13. नाटक और रंगमंच : सीताराम झा 'श्याम'
14. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
15. हिंदी नाट्यकारों के नाट्य सिद्धांत : निर्मल हेमन्त
16. ग्रीक नाट्य-कला कोश : कमल नसीम
17. स्तानिस्लाव्स्की : चरित्र की रचना-प्रक्रिया : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18. स्तानिस्लाव्स्की : अभिनेता की तैयारी : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
19. स्तानिस्लाव्स्की : भूमिका और संरचना : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
20. हिंदी नाटक और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव : सुरेश वशिष्ठ
21. खड़िया का घेरा (भूमिका) : सं. कमलेश्वर
22. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
23. An Introduction to Dramatic Theory : Dr. A. Nicoll
24. The Art of Drama : Ronald Peacock
25. The Art of Dramatist : J.B. Priestley
26. The European theory of Drama : Barret H. Clark
27. The Theatre of Dramatic Theory : Allardyce Nicoll

.....

प्रश्नपत्र : 4012 : पाठ और प्रदर्शन

- प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
- प्रस्तुति आलेख और नाटक
- नाटक की व्याख्या, नाट्य प्रदर्शन के स्वरूप और प्रदर्शन शैली का निर्धारण
- निर्देशन, अभिनय, पार्श्वकर्म
- रंगसंगीत
- पाठ और प्रदर्शन की दृष्टि से किसी एक रचना का विशेष अध्ययन (उदाहरण के लिए, अंधेरनगरी, अभिज्ञान शांकुतलम्, आषाढ़ का एक दिन, आधे-अधूरे, स्कंदगुप्त)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत की हिंदी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ : विश्वनाथ शर्मा
2. रंगमंच : सर्वदानंद
3. हिंदी रंगमंच और पंडित नारायण प्रसाद बेताब : विद्यावती लक्ष्मण राव

4. रंगकर्म : वीरेंद्र नारायण
5. नाट्य प्रस्तुति : राजहंस
6. रंग-स्थापत्य कुछ टिप्पणियाँ : एच.वी. शर्मा
7. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेंद्र प्रसाद दीक्षित
8. पारसी थिएटर : उद्भव और विकास : सोमनाथ गुप्त
9. रंगमंच : बलवंत गार्गी
10. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
11. रंगमंच : देखना और सुनना : लक्ष्मीनारायण लाल
12. What is Theatre ? : Eric Bentley

.....

प्रश्नपत्र : 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच
(रचनाओं के माध्यम से)

- लोकरंगरूप और आधुनिक रंगमंच का संबंध
- पाश्चात्य रंगमंच और भारतीय रंगमंच का संबंध
- भारतीय रंगमंच की अवधारणा
- रचनाएँ : अंधेर नगरी (भारतेंदु हरिश्चंद्र), चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद), एवम् इन्द्रजित (बादल सरकार), तुगलक, ययाति (गिरीश कर्नाड), अंधा युग (धर्मवीर भारती), कोणार्क (जगदीशचंद्र माथुर), जिस लाहौर नहीं देख्या (असगर वजाहत), खामोश! अदालत जारी है (विजय तेंदुलकर) आदि

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारतीय रंगकोष : सं. प्रतिभा अग्रवाल
2. रंगयात्रा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित
3. रंग प्रसंग पत्रिका : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा नियमित प्रकाशन
4. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी
5. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
6. नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार : जयदेव तनेजा
7. नाट्यशास्त्र विश्वकोष : राधावल्लभ त्रिपाठी
8. हे सामाजिक : सुरेश अवस्थी

.....

प्रश्नपत्र : 4014 : एक नाटककार का विशिष्ट अध्ययन या प्रस्तुति-आधारित परियोजना कार्य

.....

(B) विकल्प : संस्कृतिमूलक अध्ययन

प्रश्नपत्र : 4021 : संस्कृति : अवधारणाएँ और विषय

- भारतीय अवधारणाएँ ,धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति
- प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ
- भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप (फिल्में, पॉपसंगीत, खेल, समारोह, फैशन आदि)
- उपभोक्ता संस्कृति के रूप और अवधारणा

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- संस्कृति के चार अध्याय -- रामधारी सिंह दिनकर
- For Marx : Louis Althuser
- In Theory : Ajaz Ahmed
- The Illusions of End : Jean Baudrillard
- Of Gramatology : Jacques Derrida
- Post Colonialism : Leela Gandhi
- Nation and Narration : Ed. H.J. Bhabha
- Media and Cultural Studies keyworks – Ed. Meenakshi Gigi Durhan & Douglas Kellner
- Feminist Review Journal : on line
- Cultural Theory and Popular Culture : John Stroey
- Culture & Society : Raymond Williams
- Journal of Consumer Culture : on line
- Journal of Popular Culture : on line

.....

प्रश्नपत्र : 4022 : अध्ययन : पद्धतियाँ

- संरचनावाद और चिह्नशास्त्र, सास्यूर, लेवीस्त्रास, रोलांबार्थ, अंबर्तो इको,
- उत्तरसंरचनावाद - देरिदा, लाकां, फूको

- मार्क्सवाद : लूई अल्थुसर, जॉन फिस्के, हैबरमास
- स्त्रीत्ववादी चिंतन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Literatry Theory today : Pramod K. Nayyer
- Souli cs of Televsion Johm. Fr.
- Towards a Semotic inquarty into TV Message : Cumber to Eco
- Writing Degree Zero Raland Barthes
- The Diologic Imagination : Mikkaul Bakhin

.....

प्रश्नपत्र : 4023 : पॉपूलर संस्कृति के रूप

(पत्र-पत्रिकाएँ, फिल्में, टीवी, रेडियो, इंटरनेट आदि पर उपलब्ध रूप)

- राष्ट्र, ग्राम, छोटे नगर, बाजार के स्पेस
- अस्मिता : जागरण, रूपायन, अभिव्यक्ति के रूप : जेंडर आधारित, स्मृति, जातिमूलक, धर्ममूलक
- वैधता के प्रश्न
- वर्चस्व और अस्वीकार के मुद्दे, विमर्श का निर्माण

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Cultural Theory and Popular Culture : John Stroey
- Culture & Society : Rasmound Willions
- Cultural Studies – Chris Barker
- Cyltural Studies and Discours Analysis – Chris Barker and D. Galasini.
- Journal of Consumer Culture : on line
- Journal of Popular Culture : on line

.....

प्रश्नपत्र : 4024 : परियोजना कार्य

- किसी एक पत्र-पत्रिका, फिल्म, रेडियो, टी.वी. कार्यक्रम या इंटरनेट सामग्री को केंद्र बनाकर परियोजना कार्य ।

.....

(C) विकल्प : अनुवाद अध्ययन

प्रश्नपत्र - 4031 : अनुवाद के प्रकार्य

- अनुवाद की सामाजिक, सांस्कृतिक भूमिका, अनुवाद-क्रियाएँ और महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
- भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, अनूदित सामग्री की समीक्षा
- अंतरभाषीय संचार के रूप में उपलब्ध रूप, अनूदित सामग्री की समीक्षा, द्विभाषिकता, बहुभाषिकता और अनुवाद
- मीडिया क्षेत्र में विशेषीकृत, साहित्यिक अनुवाद व्यापार क्षेत्र में

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अनुवाद विज्ञान -- डॉ. नगेन्द्र
- काव्यानुवाद सिद्धांत समस्याएँ -
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत सिद्धि : अवधेश मोहन गुप्त
- अनुवाद विज्ञान -- गार्गी गुप्ता

.....

प्रश्नपत्र : 4032 : अनुवाद अध्ययन इतिहास

- प्राचीन परंपरा, इतिहास और पृष्ठभूमि, अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद-सिद्धांत, अनुवाद की राजनीति,
- अनुवाद के आदर्श रूप, प्रमुख बहसें, अनुवाद : सिद्धांत और आधारभूत विषय
- आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म; अनुवाद प्रक्रिया, भाषिक विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, अनुवाद, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप;
- दुभाषिया कर्म, आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कंप्यूटर अनुवाद, अनुवाद-योग्य पाठ के विश्लेषण के आधार और पाठों का श्रेणी विभाजन,

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. अनुवाद कला, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे.सी. कैटफोर्ड
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग : डॉ. नगेंद्र

4. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग : जी. गोपीनाथन

प्रश्नपत्र : 4033 : अनुवाद सिद्धांत

- अनुवाद के औजार, पुनरीक्षण अवधारणा और विधियाँ,
- स्रोत भाषा की अवधारणा और तैयारी, लक्ष्य भाषा की अवधारणा और तैयारी,
- शब्दकोश की भूमिका, पारिभाषिक शब्दावली की समस्या
- विशेषीकृत अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. बैंकों में अनुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी, श्रीनिवास द्विवेदी
3. प्रशासन में राजभाषा हिंदी : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
4. पश्चिम में अनुवाद-कला के मूल स्रोत : डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त
5. Approches to Translation : Peter New Mark
6. Essay on the Principle of Translation : A.F. Tylor
7. Translation and Interpreting : R. Gargesh, K.K. Goswami

प्रश्नपत्र : 4034 : परियोजना कार्य

किसी एक पाठ का अनुवाद (अधिकतम 50 पृष्ठ)

(D) विकल्प : मध्यकालीन हिंदी-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4041 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य की अवधारणा

- हिंदी साहित्य के मध्यकाल के संदर्भ में रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा का चिंतन, मध्यकालीन (सौंदर्यदृष्टि, स्थापत्य, चित्र, संगीत, कला) 'लोक' की अवधारणा, सामाजिक संस्कृति परिवर्तन की अवधारणा, भक्ति आंदोलन, रचनाकारों का महत्वक्रम
- मध्यकालीन काव्य-भाषाओं का साहित्यिक वैशिष्ट्य (ब्रज, अवधी, राजस्थानी, सधुक्कड़ी, मैथिली के संदर्भ में), काव्य रूप (प्रबंध, मुक्तक, प्रगीत), मध्यकालीन साहित्य की प्रामाणिकता का सवाल, कथानक रूढ़ियाँ और कवि-प्रसिद्धियाँ

- दरबार, लोक और संप्रदाय, साहित्य की दरबारी और लोकनिष्ठ धारा, मध्यकालीन साहित्य के शास्त्रीय चिंतन का स्वरूप
- मध्यकालीन सौंदर्य-दृष्टि (स्थापत्य, चित्रकला, संगीत से साहित्य का संबंध), भक्ति आंदोलन : उत्तर और दक्षिण, हिंदू-मुस्लिम, स्त्री-पुरुष, जाति और वर्ण, मध्यकालीन वाग्गेयकारों का साहित्य, उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रचलित बंदिशें और ब्रजभाषा

विचारणीय बिंदु

- सामाजिक इतिहास के संदर्भ में मध्यकालीन हिंदी साहित्य
- हिंदी भाषा का आरम्भ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ मिश्र
- तुलसीदास और उनका युग -- डॉ. रामविलास शर्मा
- हिंदी साहित्य का इतिहास -- रामचंद्र शुक्ल
- Medieval India : The Study of Civiliazation – Irfan Habi

.....

प्रश्नपत्र - 4042 : मध्यकालीन दरबारी परम्परा का साहित्य

- विद्यापति - कीर्तिलता, केशवदास
- गंग, भिखारीदास, पद्माकर, दीनदयाल गिरि, गिरधर कविराय
- भूषण, मतिराम, रसलीन
- देव, सेनापति

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अमीर खुसरो - संपा. गोपीचंद नारंग
- विद्यापति
- प्रेमाख्यान

.....

प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा

- अमीर खुसरो
- विद्यापति - पदावली, कबीर, नानक, मंझन, जायसी - कन्हावत, तुलसी
- मीरा, सूरदास, सुन्दरदास
- बोधा, ठाकुर, आलम, द्विजदेव, रसखान
- मीर, गालिब, नजीर अकबराबादी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- नजीर अकबरबादी ग्रंथावली -- संपा. नजीर मुहम्मद
- मीर : संपा. प्रकाश पंडित
- गालिब : संपा. प्रकाश पंडित
- कविता कौमुदी : संपा. रामनरेश त्रिपाठी, (उर्दू, हिंदी खंड)

.....

प्रश्नपत्र-4044 : परियोजना-कार्य

.....

(E) विकल्प : आधुनिक जनसंचार माध्यम अध्ययन

प्रश्नपत्र 4051 : जनसंचार माध्यमों का विकास

- जनसंचार प्रक्रिया के मूलतत्त्व : तकनीक का विकास, जनसंचार की अवधारणाएँ एवं प्रकार्य : प्रमुख सैद्धांतिकियाँ (एडोर्नो, मैक्लूहन, रेमंड विलियम्स, बोर्दियू, जॉन फिस्के, सारा मिल्स इत्यादि)
- भारत में संचार माध्यमों का विकास

  प्रिंट : प्रथम चरण : सुधार युग, द्वितीय चरण : स्वाधीनता-स्वदेशी-संघर्ष, तृतीय चरण : 1947 के बाद विकास की समस्याएँ

  रेडियो : प्रथम चरण : आजादी से पूर्व, द्वितीय चरण : आजादी के बाद की समस्याएँ

- टी.वी. व इंटरनेट : प्रथम चरण : विकासमूलक; द्वितीय चरण : भूमण्डलीकरण और

  तीसरा चरण : भूमण्डलीकरण और व्यावसायिकता का चरण - साइबर स्पेस और जनसंचार

- जनसंचार : उद्योग के रूप में आर्थिकी

  प्रिंट की आर्थिकी का चक्र : प्रसारण संख्या - पाठक संख्या के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का चक्र

  माध्यमों के स्वामित्व का रूप

  क्रास ओनरशिप कन्वर्जेंस

  एफ.डी.आई. प्रवेश

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र रमेंड विलियम्स
- पूंजीवाद और सूचना युग : संपा. मैक्चेस्नी वुड
- संस्कृति विकास और संचार क्रांति - पी.सी. जोशी
- हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास - जेफ्री रोबिन्स

.....

प्रश्नपत्र : 4052 : समाचार-निर्माण और प्रसारण

(प्रिंट, टी.वी., इंटरनेट आदि के संदर्भ में)

- समाचार का स्वरूप : समाचार-संकलन, निर्माण (सभी माध्यमों के संदर्भ में)
- संपादन-प्रक्रिया

  संपादन विभाग के मंच एवं प्रकार्य (सभी माध्यमों के संदर्भ में) प्रेस-विधि, डिजाइनिंग
- विज्ञापन और जनसंपर्क
- प्रसारण-प्रक्रिया : मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- साक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामशरण जोशी
- टीवी रिपोर्टिंग - पुष्प प्रसून वाजपेयी

- पटकथा लेखन : मनोहरश्याम जोशी
- पटकथा लेखन : मन्नू भंडारी

.....

प्रश्नपत्र : 4053 : जनसंचार एवं अध्ययन प्रविधियाँ

- समाचार-लेखन : समाचार-सामग्री विविध रूप, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, कॉलम-लेखन, व्यावसायिक सामग्री-लेखन, विज्ञापन-लेखन
- कहानी, पटकथा माध्यम समीक्षा (सिनेमा, टी.वी., अखबार के संदर्भ में)
- मीडिया अध्ययन की प्रविधियाँ (प्रोजेक्ट लेखन के संदर्भ में), संरचनावादी प्रविधि, उत्तर-संरचनावादी प्रविधि, चिह्नशास्त्रीय प्रविधि
- सांस्कृतिक अध्ययन पद्धतियाँ, स्त्रीत्ववादी अध्ययन पद्धतियाँ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Many Voices : One World : Macbride Commission Report (UNO)
- The Visual Culture Reader: Ed. Nicholas Mirzeoff
- Media Research Techonologies – Arthur Asa Berger
- Qualitalive Methodologies for Mass Communication Research : Klaus Bruhn & Nicholos W Jankowski

.....

प्रश्नपत्र : 4054 : परियोजना-कार्य

.....

(F) विकल्प : भाषाविज्ञान

प्रश्नपत्र : 4061 : हिंदी भाषा की संरचना

१ : हिंदी : सामान्य परिचय

- हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- मानक हिंदी और हिंदी की क्षेत्रीय बोलियाँ

- संविधान में हिंदी का स्थान

२ : ध्वनि-संरचना

- हिंदी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
- हिंदी में अ-लोप की समस्या
- हिंदी की मूर्धन्य उत्क्षिप्त ध्वनियों (ड़ और ढ़) की समस्या
- हिंदी में महाप्राण व्यंजन ध्वनियों की समस्या
- हिंदी में नासिक्य, अनुस्वार और अनुनासिकता की समस्या
- हिंदी स्वनिम व्यवस्था : खण्ड्य और खण्डेतर

३ रूप, शब्द और पद

- रूप की संकल्पना
- रूपिम की संकल्पना
- शब्द : शब्द और अर्थ का संबंध
- शब्द-निर्माण की आवश्यकता और प्रक्रिया
- शब्द के प्रकार
- शब्द-वर्ग
- पद की संकल्पना

४ वाक्य-संरचना तथा प्रोक्ति-विश्लेषण

- वाक्य का स्वरूप
- वाक्य की संरचना
- वाक्यात्मक युक्तियाँ
- निकटस्थ अवयव-विश्लेषण
- वाक्य के प्रकार : रचना की दृष्टि से - साधारण, मिश्र, संयुक्त
- अर्थ की दृष्टि से - निश्चयार्थक, आज्ञार्थक, विस्मयादिबोधक संबोधनमूलक, विनम्रतामूलक
- प्रोक्ति का स्वरूप
- प्रोक्ति-विश्लेषण

५ : अर्थ-संरचना

- अर्थ की प्रकृति

- पर्यायता
- अनेकार्थता
- विलोमता
- वाक्य-स्तर पर अर्थ-विवेचन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
3. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
4. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
5. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

.....

प्रश्नपत्र : 4062 : समाज-भाषाविज्ञान

- १ **समाज-भाषाविज्ञान का स्वरूप**

  भाषाविज्ञान और समाजभाषाविज्ञान

  सामाजिक संदर्भ और भाषा-वैविध्य

- २ **भाषा और संपर्क**

  द्विभाषिकता और बहुभाषिकता

  कोड-मिश्रण और कोड-परिवर्तन

  पिजिन और क्रियोल

  भाषाद्वैत

- ३ **भाषा-नियोजन तथा भाषा-विकल्पन**

  भाषा-नियोजन की अवधारणा

  मानकीकरण और आधुनिकीकरण

  भाषा-विकल्पन : प्रयोक्तासापेक्ष विकल्पन

  प्रयोगसापेक्ष विकल्पन -- प्रयुक्तिसापेक्ष

  भूमिकासापेक्ष

- ४ **भाषा और सामाजिक संदर्भ**

  संबोधन-शब्दावली

  रिश्ते-नाते की शब्दावली

  रंग-शब्दावली

- ५ **समाज और संस्कृति**

  भाषा और समाज

  हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र

  जातीय गठन की प्रक्रिया और भाषाई समाज

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

.....

प्रश्नपत्र : 4063 : भाषा-शिक्षण

- **भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण :**

  अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण का संबंध

  भाषा विशेष का व्याकरण और शैक्षिण व्याकरण

  भाषा-अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा-शिक्षण

- **भाषा-शिक्षण और भाषा**

  मातृभाषा

  मातृभाषा-संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

  मातृभाषा-शिक्षण के उद्देश्य

अन्य भाषा (द्वितीय भाषा)

द्वितीय भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

द्वितीय भाषा-शिक्षण के उद्देश्य

द्वितीय भाषा-शिक्षण की प्रक्रिया

मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा के अधिगम और शिक्षण में आधारभूत भिन्नताएँ

विदेशी भाषा

विदेशी भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

माध्यम के रूप में भाषा

- **पाठ-नियोजन : सिद्धांत और प्रक्रिया**

पाठ-नियोजन का अर्थ और महत्त्व

पाठ-नियोजन की आवश्यकता

पाठ-नियोजन की तकनीक

पाठ के प्रकार

पाठ-संकेत-निर्माण की प्रारंभिक आवश्यकताएँ

दैनिक पाठ-योजना

विविध पाठों के पाठ-नियोजन की प्रक्रिया

- **अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ**

व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि

संरचना-विधि तथा श्रवण-भाषण-विधि

अन्य भाषा-शिक्षण की समन्वित विधि

- **भाषा-मूल्यांकन तथा परीक्षण**

भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण

मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना

भाषा-परीक्षण के प्रकार्य

भाषाई पसीक्षणों के प्रकार

परीक्षण-निर्माण के आधारभूत सिद्धांत

वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का निर्माण तथा उपयोग

अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ

भाषाई कौशलों का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन तथा अन्य रूप

साहित्यिक विधाओं तथा संस्कृति का परीक्षण

मूल्यांकन के प्रकार

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
5. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
10. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
11. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
12. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
14. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा और बोली : एक संवाद : आर.के. अग्निहोत्री
16. भाषा बहुभाषिकता और समाज : आर.के. अग्निहोत्री

16. One Language Two Scripts : Cristopher King
17. Hindi Nationalism : Alok Rai
18. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
19. Colloquial Hindi : The Complete Course for Beginners : Tej K. Bhatia
20. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
21. Modern Hindi Grammar : Omkar N. Koul
22. Outline of Hindi Grammar : R.S. McGregor
23. Semantics : F.R. Palmer
24. Sociolinguistic Theory : J.K. Chambers
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
26. Applied Linguistic : R.N. Srivastava
27. Linguistics : An introduction to Language and Communication : A. Akmajian,R.A. Demers, A.K. Farmer, R.M. Harnish

.....

प्रश्नपत्र : 4064 : परियोजना कार्य

.....

(G) विकल्प : आधुनिक हिंदी-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4071 : आधुनिकता की यात्रा

- आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता
- लोक से जन का संक्रमण
- सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान
- सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला-रूप (चाक्षुष, दृश्य-श्रव्य)
- गाँव, शहर, समाज और साहित्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- The subject of Modernity - Anthony J. Casscardi
- The Constitution of Society : Anthony Giddens
- The Cousequences of Modernity Anthony Giddens
- The Class Struggle Urban Contradictions : M. Castells
- The City & Grassroots : M. Castelles.
- आधुनिकता और आधुनिकीकरण -- रमेश कुंतलमेघ

.....

प्रश्नपत्र : 4072 : आधुनिक हिंदी-साहित्य की विशेषताएँ

- औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी की बहसें
- भारतेंदु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद-विरोध, पश्चिम के विचार-आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद
- प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न
- उत्तर-औपनिवेशिक हिंदी-साहित्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- भाषण हिंदी साहित्य सम्मेलन संपा. Reports Hkk

- रस्साकशी : वीरभारत तलवार
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण --रामविलास शर्मा
- भारतेंदु और उनका युग : रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

.....

प्रश्नपत्र : 4073 : आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

- सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत
- बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता
- भारतीय साहित्य की अवधारणा
- भारतीय भाषाओं से चुने हुए अनूदित पाठ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -- डॉ. नगेन्द्र
- समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)
- संस्कृति के चार अध्याय -- रामधारी सिंह दिनकर

.....

प्रश्नपत्र : 4074 : आधुनिक विश्व-साहित्य

(हिंदी में अनूदित)

- आख्यान के रूप में परिवर्तन
- यूरोपीय साहित्य
- पूर्वी साहित्य
- लैटिन अमेरिकी साहित्य, अफ्रीकी साहित्य

.....

(H) विकल्प : हिंदी का लोक-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4081 : लोक की अवधारणा और अनुसंधान प्रविधि

- लोक की नृतत्वशास्त्रीय, एथनोग्रॉफी, लोक मनोवैज्ञानिक तथा समाजशास्त्रीय व्याख्या

  लोक-मानस और मुनि-मानस

- हिंदी लोक-साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि

  सर्वेक्षण

  संकलन

- लोक-साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन
- भारत में लोक-साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. लोक का आलोक : सं. पीयूष दहिया
2. लोक : सं. पीयूष दहिया
3. लोक-साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येंद्र
4. लोक-साहित्य की भूमिका : डॉ. धीरेंद्र वर्मा

.....

प्रश्नपत्र : 4082 : लोक-संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ

- भाषा : शब्द सामर्थ्य, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
- साहित्य : अनुभूति व अभिव्यक्ति का दर्शन
- संगीत : छंद, ताल, लय, वाद्य; भाषा और संगीत का अन्तस्संबंध
- जीवन-दर्शन : लोक धर्म, लोकाचार, लोक विश्वास, लोकोत्सव

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. परंपराशील लोक-नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
2. भारतीय लोक-साहित्य : श्याम परमार

3. लोक-साहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रेती
4. साहित्य सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी
5. लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा : मनोहर शर्मा

प्रश्नपत्र : 4083 : हिंदी क्षेत्र, लोक शैलियाँ और लोक-साहित्य के विविध रूप

- लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिंदी की ग्रामीण शैलियाँ और उनका भाषिक वैशिष्ट्य
- लोकगीत देवीगीत,जन्म-संबंधी, संस्कार गीत,विवाह-संबंधी,ऋतु गीत, मृत्यु-संबंधी, श्रम गीत

- **क. श्रव्य**

  लोकगाथा, लोक-आख्यान, पंडवानी, आल्हा इत्यादि

- **ख. दृश्य** लोकधर्मी नाट्य परंपरा : लोकनाट्य

  1. रामलीला 4. कव्वाली
  2. रासलीला 5. चारबैत
  3. नौटंकी, स्वाँग, सांगीत 6. नात इत्यादि 7. बिदेसिया

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. Culture as Paraxis : Zygmunt Bauman
2. Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz & Cornelins J. Holtorf (Edt)
3. Theory and History of Folklore : Vladimir Propp
4. Folklore, Myths and Legends : Donna Rosenberg
5. Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
6. Folk Culture of Manipur : Dr. M. Kirti Singh
7. An Outline of the Cultural History of India : Syed Abdul Latif
8. Malabar and its Folk : T.K. Gopal Panikkar
9. Facets of Indian Culture : Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)
10. Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
11. Varia Folklorica : Alan Dundes (Edt.)
12. Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
13. Folktales of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
14. Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abrahan
15. Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
16. Many Ramayana : Richman
17. Folk Life : (Journal)

प्रश्नपत्र : 4084 : परियोजना कार्य

(I) विकल्प : अस्मिता और साहित्य

प्रश्नपत्र : 4091 : अस्मिता अवधारणाएँ और सिद्धांत

- अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रकृति
- स्मृति, इतिहास और अस्मिता,
  अस्मिता और सत्ता,
  धर्म और अस्मिता
- अस्मिता और राष्ट्र
  भूमंडलीकरण और अस्मिता
- व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता
  हाशिए की अस्मिताएँ
  अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- New Social Movements : A Theorilical Approach - M Melluci.
- The Kristieva Reader : Ed. T.S. Kuhn
- Revolution in Poetic Lananguage – Julieva Kristieva.
- Feminist Cultural Theory Process and Production : Ed. Beverly Skeggs.
- The Orginating Patriarchy – Sylvia Walby

प्रश्नपत्र : 4092 : जेंडर-अस्मिता और साहित्य

- जेंडर की अवधारणा, स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ
- जेंडर अस्मिता और यौन-अस्मिता, विजेता, सत्ता
- जेंडर, भाषा और साहित्य
- रचनाओं का चुनाव शिक्षक इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर करें। इसमें दो रचनाएँ चुनी जानी चाहिए।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Feminist Thought : A Comprehensive Introductions – Tony Rosemary
- स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द वुआ
- A Vindcalion of The Rights of Women : Mary Wollstoncraft.

- The Subjection of Women : JS Mill

प्रश्नपत्र : 4093 : दलित अस्मिता और साहित्य

- अंबेडकर और उत्तर अंबेडकर विचार
- दलित आंदोलन और दलित साहित्य
- दलित साहित्य और भाषा
- प्रतिवर्ष दो रचनाओं का चुनाव किया जाएगा। जिनका अध्ययन उपर्युक्त बिंदुओं के संदर्भ में किया जाएगा।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- दलित साहित्य विशेषांक : हंस पत्रिका
- अम्बेडकर समग्र भारत सरकार का प्रकाशन
- जूठन -- ओमप्रकाश वाल्मीकि
- मेरा बचपन मेरे कंधों पर -- श्योराज सिंह बेचैन

प्रश्नपत्र : 4094 : परियोजना-कार्य

एम.फिल (हिन्दी)

सेक्सुअल हरासमेंट	10.00
विश्वविद्यालय छात्र शुल्क	2.00
स्वास्थ्य केन्द्र शुल्क	5.00

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र–I अनुसंधान का स्वरूप और प्रविधि अंक : 100 3 घंटे

1. अनुसंधान का स्वरूप
2. अनुसंधान और आलोचना
3. अनुसंधान : प्रविधि और दृष्टि–
   - i. ऐतिहासिक अनुसंधान प्रविधि
   - ii. अन्तरविद्यापरक (Interdisciplinary) अनुसंधान प्रविधि
   - iii. पाठालोचनात्मक अनुसंधान प्रविधि
   - iv. भाषावैज्ञानिक/शैलीवैज्ञानिक अनुसंधान प्रविधि
   - v. तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि
   - vi. समाजशास्त्रीय प्रविधि
   - vii. मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि
   - viii. संरचनावादी प्रविधि
   - ix. उत्तरसंरचनावादी प्रविधि
   - x. सांस्कृतिक अध्ययन संबंधी प्रविधि
   - xi. नवीन अनुसंधानपरक दृष्टियाँ : मार्क्सवादी, उत्तर-आधुनिकतावादी, नव-इतिहासवादी, दलित, स्त्री और निम्नवर्गीय विमर्शपरक

सहायक ग्रंथ

1. अनुसंधान का स्वरूप : सं. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया : सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3. इण्ट्रोडक्शन टू रिसर्च : टी. हेलवे
4. दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च : इसर जार्ज, पागेट थम्पसन
5. दि आर्ट ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च : डब्ल्यू. आई.बी. बैरब्रिज
6. फैक्ट्स : हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) : डब्ल्यू ए. बाग्गले
7. शोध प्रविधि : विनय मोहन शर्मा
8. सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर : डायना लौरेंसन, एलेन स्विंगवुड
9. टुवार्ड्स ए सेशियोलॉजी ऑफ नॉवल : लुसिए गोल्डमान
10. राइटिंग इन सोसाइटी : रेमंड विलियम्स
11. संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
12. ऑफ ग्रामेटोलॉजी : जॉक देरिदा (अनु गायत्री चक्रवर्ती स्पिवाक)
13. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय
14. सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कल्चर : अंतोनियो ग्राम्शी
15. देरिदा : सं. पेगी कामुफ
16. द पोस्ट मॉडर्न कंडीशन : ज्यां फ्रांसुआ ल्योतार
17. द पोस्ट मॉडर्निज़्म थॉट : फ्रेड्रिक जोमेसन
18. रिकास्टिंग विमन : उमा चक्रवर्ती

प्रश्नपत्र-II (निम्नलिखित वैकल्पिक वर्गों में से कोई एक वर्ग)

वर्ग (क) मध्यकालीन चिन्तन और साहित्य

वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य

वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा

वर्ग (घ) संचार माध्यम और अनुवाद

वर्ग (ङ) रंगमंच

वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य

प्रश्पनत्र - II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. मध्यकाल : समय, समाज और संस्कृति
2. मध्ययुग के प्रमुख दार्शनिक आधार
3. मध्यकाल और लोक-जागरण
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप
5. मध्यकालीन काव्य और कलाओं का अंतर्संबंध
6. भक्ति साहित्य और आलोचना
7. भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
8. भक्ति-काव्य का स्वरूप
9. भक्ति-आंदोलन और हिंदी-प्रदेश
10. भक्ति-काव्य और स्त्री
11. भक्तिकाल : नए विमर्श
12. रीतिकाल : ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि
13. दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य
14. शृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन शृंगार-काव्य
15. रीतिकालीन काव्य-शास्त्र : परंपरा और विमर्श
16. रीतिकालीन वीर-काव्य और नीति-काव्य

17. रीतिकाल : नए विमर्श
18. रीतिकाल और आधुनिकता
19. रीतिकाव्य और आलोचना

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
3. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
4. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास : रामविलास शर्मा
5. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत -भाग :1-2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. राधावल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य : विजयेन्द्र स्नातक
8. कृष्ण काव्य में लीला वर्णन : जगदीश भारद्वाज
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
10. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर
11. रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र
12. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : सं. गोपेश्वर सिंह
13. हिस्ट्री ऑफ सैक्सुअलिटी (खंड-1) : मिशेल फूको
14. सबाल्टर्न स्टडीज़ : सं. रंजीत गुहा
15. सैक्सुअल पोलिटिक्स : केट मिलेट
16. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआ (अनु.) प्रभा खेतान
17. मध्यकालीन भारत : एक आयाम : हरबंस मुखिया
18. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
19. मध्यकालीन बोध का स्वरुप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. लोकजागरण और हिंदी-साहित्य : रामविलास शर्मा
21. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र

वर्ग (ख) आधुनिक चिन्तन और साहित्य

प्रश्नपत्र–II **अंक : 100** **3 घंटे**

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकताबोध, आधुनिकतावाद, आधुनिकीकरण, नवजागरण और विकास की अवधारणाएँ

1. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद, उपनिवेशीकरण और उपनिवेश विरोधी संघर्ष, राष्ट्रीय चेतना का निर्माण, जन आंदोलन

2. विचारधारा और साहित्य :

   i. गांधीवाद : सत्य, अहिंसा और स्वराज

   ii. मार्क्सवाद और समाजवादी दृष्टियाँ : उत्पादन संबंध, सामाजिक इतिहास, आधार-अधिरचना, समाजवाद के विविध रूप

   iii. आधुनिक चिंतक

   iv. अस्तित्ववाद : स्वतंत्रता, अजनबीपन, अस्मिता

   v. मनोविश्लेषणवाद

3. अन्य आधुनिक अवधारणाएँ : मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद

4. उत्तर आधुनिकतावादी विमर्श

5. अस्मितामूलक विमर्श (स्त्री, दलित आदि)

6. निम्नवर्गीय विमर्श (सबाल्टर्न)

7. सत्ता/ज्ञानमूलक विमर्श

सहायक ग्रंथ

1. नव मानववाद : एम.एन. रायअनु. नंद किशोर आचार्य
2. नेशन एंड नेरेशन : (सं.) होमी जे. भाभा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा

4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग : उदयभानु सिंह
5. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति : शंभुनाथ
6. इंडियन रेनेसां : सुशोभन सरकार
7. भारतेंदुयुग और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
8. आज का दलित साहित्य : तेज सिंह
9. अंबेडकर वाङ्मय : भीमराव अम्बेडकर
10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले (अनु.)
11. स्त्री पराधीनता : जान स्टुअर्ट मिल्स (अनु.)
12. परिधि पर स्त्री : मृणाल पांडेय
13. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा
14. उपनिवेशवाद में स्त्री : प्रभा खेतान
15. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी

वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र - II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. भारत के भाषा-परिवार
2. सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान
3. ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान
4. चॉम्स्की तथा रूपांतरण-निष्पादन व्याकरण
5. भाषा और सामाजिक अस्मिता
6. नियोजन और भाषा-नियोजन
7. भाषा-अनुरक्षण और भाषा-विस्थापन
8. बहुभाषिकता और उनके विभिन्न आयाम
9. भाषा-सम्मिश्रण और कोड-परिवर्तन

10. पिजिन और क्रियोल
11. भाषा-शिक्षण और भाषा
12. हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
13. हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ
14. हिंदी और आधुनिकीकरण
15. हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. आधुनिक भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) : ब्लूमफील्ड
4. मनोभाषाविज्ञान : सीताराम शास्त्री
5. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
6. संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. शैलीविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. शैलीविज्ञान : नगेन्द्र
9. इण्डियन थ्योरी ऑफ नॉलेज एण्ड लेंग्वेज़ : सं. आर.सी. शर्मा
10. मनोभाषिकी : सूर्यदेव शास्त्री
11. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
12. आधुनिक भाषाविज्ञान : कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय
13. भाषायी अस्मिता और हिन्दी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
14. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा : रामविलास शर्मा
15. आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा
16. भाषाविज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा

वर्ग (घ) : संचार माध्यम और अनुवाद

प्रश्नपत्र-II **अंक : 100** **3 घंटे**

माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी

(रंगमंच, प्रिंट, रेडियो, टीवी एवं इंटरनेट)

i. विकासमूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
ii. संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
iii. विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
iv. चिह्नशास्त्रीय माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
v. संरचनामूलक माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
vi. स्त्रीवादी माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
vii. सूचना समाज सैद्धांतिकी
viii. सांस्कृतिक अध्ययन सैद्धांतिकी
ix. रीडर रिस्पॉन्स सैद्धांतिकी
x. सूचना-समाज की अवधारणा
xi. विधिक व्यवस्थाएँ और जनसंचार
xii. वैकल्पिक मीडिया
xiii. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका

सहायक ग्रंथ

1. मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988) : जॉन बी. थॉम्पसन (पॉलिटी प्रैस)
2. टेलीविज़न : रेमण्ड विलियम्स
3. ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया : पी.सी. चटर्जी
4. जनमाध्यम : प्रोद्यौगिकी और विचारधारा : जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. जनमाध्यम सैद्धांतिकी : सुधा सिंह
6. भूमंडलीकरण और मीडिया : कुमुद शर्मा
7. नया सिनेमा : विनोद भारद्वाज

8. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक : सुधीश पचौरी
9. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा
10. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य : जबरीमल्ल पारख
11. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स (अनु.)
12. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया
13. संस्कृति-विकास और संचार-क्रांति : पूरनचंद्र जोशी
14. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी (सं.)
15. अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेन्द्र (सं.)
16. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा : सुरेश कुमार

वर्ग (ड.) रंगमंच

प्रश्नपत्र-II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. भारतीय नाट्यशास्त्र की मुख्य अवधारणाएँ
2. भारतीय रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच की अवधारणाएँ
3. रंगमंच के प्रकार : भेद-प्रभेद
4. ग्रीक रंगमंच, स्वच्छंदतावादी, यथार्थवादी रंगमंच, विसंगतिवादी रंगमंच, अभिव्यंजनावादी रंगमंच, प्रतीकवादी रंगमंच
5. प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
6. नाट्यालेख और रंग-आलेख में अंतर
7. नाट्यानुभूति और रंगानुभूति
8. रंगमंचीय संचार की संरचना
   -अमूर्त और मूर्त का अन्त:संबंध एवं नियोजन
   -दृश्य की पटकथा

9. रंग-प्रक्रिया के विभिन्न घटक
   -रचनाकार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्मी, प्रेक्षक, ब्रेख़्त की अवधारणा
10. महानाट्य की अवधारणा
11. पृथक्करण का सिद्धांत
12. स्तानिस्लाव्स्की की अभिनय पद्धति
13. हिंदी रंगमंच का विकास - भारतेन्दु, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, जयशंकर प्रसाद का रंगमंच, मोहन राकेश का रंगमंच
14. हिंदी का लोक रंगमंच - रामलीला, रासलीला, स्वाँग, नौटंकी, ख्याल, माच और नुक्कड़ नाटक
15. किसी सद्य:पठित/प्रदर्शित नाटक का रंग-विश्लेषण

सहायक ग्रंथ

1. रंग-दर्शन : नेमिचन्द्र जैन
2. रंगमंच : बलवंत गार्गी
3. भारतीय और पाश्चात्य नाट्यशास्त्र : सीताराम चतुर्वेदी
4. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
5. नाट्य शास्त्र : भरत (हिंदी अनुवाद)
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोश

प्रश्नपत्र-III **100 अंक**

सेमिनार

अपने वैकल्पिक प्रश्नपत्र तथा लघु शोध-प्रबंध के विषय से संबंधित प्रत्येक विद्यार्थी को वर्ष में दो सेमिनार देना आवश्यक है।